हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अंखिया, चहुँ दिस में कहूँ ठौर नाही मोहे , मोरे पीछे पीछे आवत तोरी Bhajans Bhakti Songs

हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अंखिया,
चहुँ दिस में कहूँ ठौर नाही मोहे , मोरे पीछे पीछे आवत तोरी अंखिया,
हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अंखिया I

मेरो मन मंदिर में ऐसो बसो है , मोहे हर पल लुभावत तोरी अंखिया,
हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अंखिया I

त्रिभुवन में कोई ऐसो नाही है ,जैसो तीर चलावत तोरी अंखिया,
हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अंखिया I

भवसागर में भटक रहा मैं, काहे नाही पार लगावत तोरी अंखिया,
हे कान्हा मोहे, बहुत सतावत तोरी अंखियाI

Source: https://www.bharattemples.com/hey-kanha-mohe-bhut-satavat-tori-akhiya/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw